**भारत सरकार**

**महिला एवं बाल विकास मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 1222**

**दिनांक 16 दिसम्‍बर, 2013 को उत्तर के लिए**

**बाल विवाह**

**1222. श्री टी.एम. सेल्वागणपति:**

क्या **महिला एवं बाल विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) : क्या बाल विवाह ग्रामीण क्षेत्रों में शिशुओं की मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है;

(ख) : क्या राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करने के लिए पत्र लिखे हैं कि अब से कोई भी बाल विवाह न हो और इसकी रोकथाम के लिए हर तरह की निगरानी की जाए;

(ग) : यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) : क्या देश के ग्रामीण क्षेत्रों में नवजात शिशुओं की मौतों में वृद्धि देखी जा रही है; और

(ङ) : यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

श्रीमती कृष्णा तीरथ महिला और बाल विकास मंत्रालय की राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(क): शिशु मृत्‍यु दर की पहचान क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास तथा स्‍वास्‍थ्‍य देखरेख प्रावधानों के सारांशात्‍मक संसूचक के रूप में की गई है जिसे ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आईएमआर विसंगतियों द्वारा भी दर्शाया जाता है। भारत के महापंजीयक (मृत्‍यु के कारणों पर रिपोर्ट, 2001-03) के अनुसार शिशुओं की मृत्‍यु के प्रमुख कारण नवजात परिस्‍थितियों (46 प्रतिशत), श्‍वसन संक्रमण (22 प्रतिशत), अतिसार रोग (10 प्रतिशत) अन्‍य संक्रमण तथा परजीवी रोगों (8 प्रतिशत), तथा जन्‍मजात विसंगितयां (3.1 प्रतिशत) है।

(ख) और (ग) : बाल अधिकार संरक्षण आयोग (सीपीसीआर) अधिनियम, 2005 के उपबंधों के अनुसार राष्‍ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) की भूमिका मानीटरन तथा अनुशंसा के स्‍वरूप की है। आयोग ने सभी राज्‍य सरकारों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 पर लिखा है । बाल विवाह के विरूद्ध अभियान की शुरूआत करने के उद्देश्‍य से रणनीति साझा करने के लिए राष्‍ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने बाल विवाह के विषय पर नई दिल्‍ली में दिनांक 05.12.2011 को परामर्श तथा बंगलूरु में दिनांक 23.12.2011 एवं हैदराबाद में दिनांक 07.01.2012 को क्षेत्रीय परामर्शों का आयोजन किया ।

(घ) और (ड.) : भारत के महापंजीयक के सैम्‍पल पंजीयन प्रणाली 2012 के अनुसार प्रत्‍येक 1000 जीवित जन्‍मों में बाल मृत्‍युदर (आईएमआर) 42 है। ग्रामीण क्षेत्र में प्रत्‍येक 1000 जीवित जन्‍मों में यह दर 46 है, जबकि शहरी क्षेत्र में प्रत्‍येक 1000 जीवित जन्‍मों में यह दर 28 है।

\*\*\*\*\*\*